पाठ-3

धैर्य का पाठ

(जातक कथा)

गौतम बुद्ध के जीवन से संबंधित नीतिपरक कथाओं को हम जातक कथा के रूप में जानते हैं। इस पाठ में धैर्य के महत्व के बारे में बताया गया है।

पुराने जमाने की बात है। गौतम बुद्ध एक गाँव से दूसरे गाँव पैदल जा रहे थे। साथ में उनके शिष्य भी थे। उस दिन बहुत गर्मी थी। क्षणभर विश्राम के लिए वे एक वृक्ष के नीचे तृण पर बैठ गए। उन्होंने एक शिष्य से कहा- "बहुत प्यास लगी है। कहीं से थोड़ा जल ले आओ।" शिष्य ने आस-पास देखा। वहाँ एक छोटा-सा पोखर था।

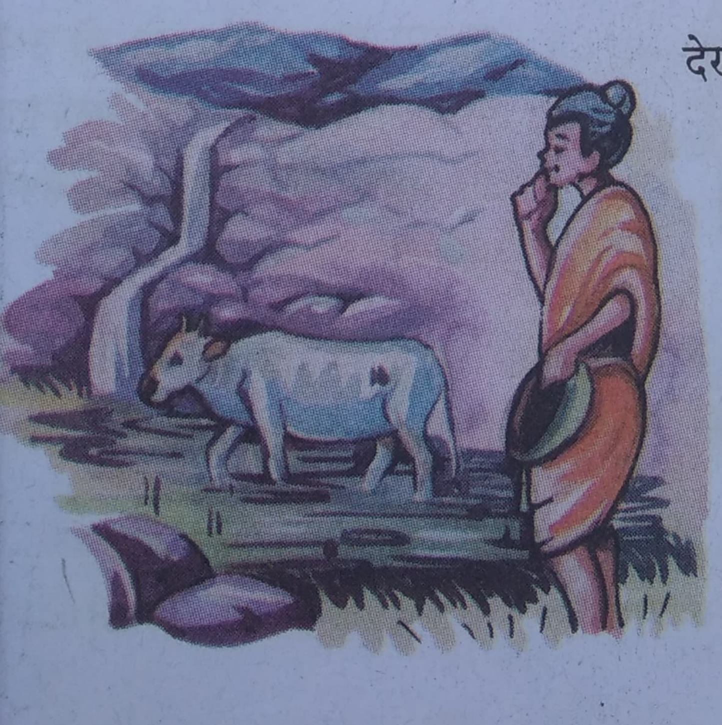

पोखर में एक बैल जल पी रहा था। शिष्य वहीं से जल लेने के लिए आगे बढ़ा। उसे देखकर बैल डर गया और जल से होता हुआ निकल भागा। इससे जल गंदा हो गया। शिष्य ने सोचा- "गंदा जल गुरु के लिए ले जाना ठीक नहीं होगा।"

वह फिर आगे बढ़ा। चारों तरफ देखा, पर उसे जल का दूसरा स्रोत दिखाई नहीं दिया। वह थक गया। वापस आकर उसने सारी घटना बुद्ध को सुनाई। शिष्य की बात सुनकर बुद्ध मुस्कराए और बोले- "पुनः तुम उसी पोखर के पास जाओ। अगर इस बार भी जल गंदा हो, तो कुछ समय रुक जाना। पर जल लेकर ही लौटना।"

बुद्ध की आज्ञा मानकर शिष्य वहाँ पुनः गया। इस बार उसने देखा कि जल निर्मल है। गंदगी नीचे बैठ गई है। शिष्य अब पात्र में जल भर कर बुद्ध के पास लौटा।

बुद्ध ने उसे पास बुलाकर कहा- "इस छोटी-सी बात को तुम सदा याद रखना। इससे तुम्हें धैर्य का पाठ मिलेगा। जब भी तुम्हारा मन अशांत हो, तो उसे थोड़ा समय देना। मन की मलीनता और अशांति बैठ जाएगी। मन अपने आप शांत हो जाएगा।"

बुद्ध की अनमोल बातें सुनकर शिष्य का चित्त प्रसन्न हो गया।

शिक्षक-शिक्षिका इस जातक कथा को स्वयं पढ़कर विद्यार्थियों को सुनाएँ और समझाएँ। इस पाठ के माध्यम से विशेषतः स्वरों की मात्राएँ और व्यंजन वर्णों को सिखाने का प्रयत्न करें।

अभ्यास-माला

1. आओ, इस कहानी को कक्षा में अपने ढंग से सुनाएँ।

2. इस तरह की और जातक कथाओं का संग्रह करो और उनमें से अपनी पसंद की एक कहानी कक्षा में सुनाओ।

3. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो :

(क) गौतम बुद्ध कहाँ जा रहे थे? ....

(ख) बुद्ध ने अपने शिष्य से क्या कहा? ....

(ग) शिष्य जल लाने के लिए कहाँ गया? ....

(घ) पोखर का जल गंदा क्यों हो गया? ....

(ङ) अंत में बुद्ध ने शिष्य से क्या कहा? ....

(च) बुद्ध की अनमोल बातों का शिष्य पर क्या प्रभाव पड़ा?

4. प्रस्तुत जातक कथा से हमें क्या सीख मिलती है? आओ, चर्चा करें।

....

....

5. देखो, समझो और बताओ :

(क) तुम अपने विद्यालय कैसे आते-जाते हो? चित्र देखकर सही का निशान (✓) लगाओ और बताओ:

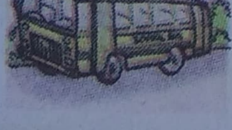

(ख) तुमने इनमें से किस साधन पर टिकट खरीद कर, पैसा चुका कर और मुफ्त में सवारी की है ?

सवारी	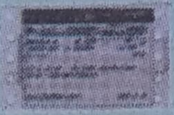 टिकट लगेगा	पैसा लगेगा	मुफ्त
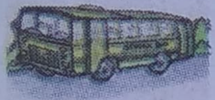 बस	बस		
रिक्शा			
साइकिल			
गोदी			
बैलगाड़ी			
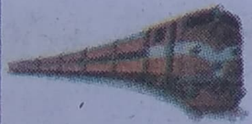 रेलगाड़ी			

(ग) पुराने जमाने में लोग किन स्रोतों से जल पीते थे ? आओ, जानें :

पोखर

नदी

झरना

(घ) आजकल पोखर, नदी, झरने आदि का जल प्रदूषित होने के कारण पीने लायक नहीं माना जाता है। तुम शुद्ध पेयजल के लिए इनमें से कौन–से स्रोत का उपयोग करते हो ? चिह्नित करो:

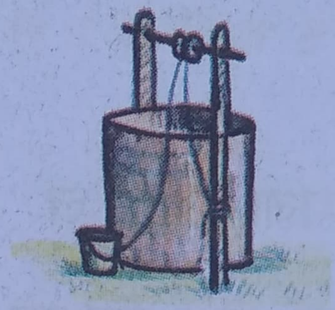

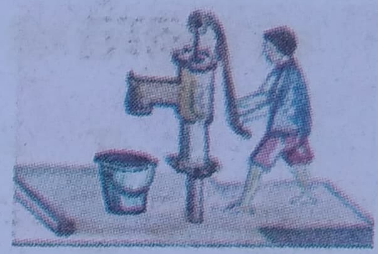

नल ☑ कुआँ ☐ चापाकल ☐

⇒ इनके अलावा और कौन–से स्रोतों से पीने का पानी पाया जाता है, बताओ।

....

6. निम्नांकित प्रश्नों के दिए गए उत्तरों में से एक सही है। सही उत्तर का चयन करो :

(क) गौतम बुद्ध एक गाँव से दूसरे गाँव .... जा रहे थे।

(अ) पैदल (आ) घोड़े पर (इ) हाथी से (ई) पालकी पर

(ख) शिष्य पोखर की तरफ बढ़ा तो .... डरकर जल से होता हुआ निकल भागा।

(अ) बकरी (आ) बैल (इ) सियार (ई) गाय

(ग) बुद्ध ने शिष्य से कहा, ... लेकर ही लौटना।

(अ) फल (आ) जल (इ) दूध (ई) कपड़ा

7. (क) आओ, इन वाक्यों में प, ज, ब और ग वर्ण कितनी बार आए हैं, खोजें और घेरें:

पोखर में एक बैल जल पी रहा था। शिष्य वहीं से जल लेने के लिए आगे बढ़ा। उसे देखकर बैल डर गया और जल से होता हुआ निकल भागा। इससे जल गंदा हो गया।

(ख) आओ, पाठ में आए इन शब्दों को पढ़ें :

पोखर, बैल, बुद्ध, जल, गंदा, गाँव, गौतम

(ग) आओ, अब हम म, न, भ, य, त, र, ल वर्णों को पाठ में ढूढ़ें और इनसे बने शब्दों को पढ़ें :

र = रथ, राजा, रानी, रेल

त = तालाब, तोता, किताब, कबूतर

य = यज्ञ, धैर्य, यह, गाय

ल = लाल, माला, गुलाल, जल

म = मछली, मलीनता, माँ, माता

भ = भालू, भाला, भारत, भोजन

न = नाव, नयन, नल, नाना

8. आओ, अब इन वर्णों में से सही वर्ण चुनकर शब्दों को पूरा करें :

प	ज	म	ग	न	भ	य	थ	त	ल

र				ह		ज																			

र	
	ह
ज	

	दी
न	
	म
	भ

का		ज
ग	ल	
	र	त
	मी	न

9. आओ, मात्राओं को सीखें और खाली जगह भरें :

क् + आ = का	क् + इ = कि	क् + ई = की	ग् + आ = □
ग् + □ = गि	□ + ई = गी	क् + उ = कु	क् + ऊ = कू
क् + ऋ = कृ	□ + उ = सु	स् + ऊ = □	स + □ = सृ
क् + ए = के	क् + ऐ = कै	क् + ओ = को	म् + □ = मे
□ + ऐ = मैं	म् + ओ = □	क् + औ = कौ	द् + □ = दौ

आ = ा	इ = ि	ई = ी	उ = ु	ऊ = ू
ऋ = ृ	औ = ौ	ए = े	ऐ = ै	ओ = ो

10. आओ, यह भी जानें :

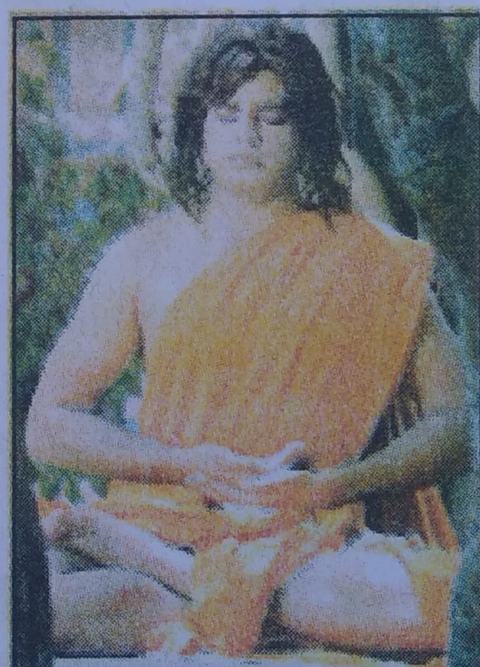

गौतम बुद्ध का जन्म ई. पू. 563 में वैशाख पूर्णिमा के दिन कपिलवस्तु नामक स्थान पर हुआ था। उनके बाल्यकाल का नाम सिद्धार्थ था। पूर्णिमा तिथि को उन्हें बोध प्राप्त हुआ था और अंत में उनका निर्वाण भी इसी तिथि को हुआ। वे बौद्ध धर्म के प्रवर्तक थे।

11. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

विश्राम	=	आराम	थक	=	थकान	अनमोल	=	अमूल्य
वृक्ष	=	पेड़	वापस	=	लौटना	चित्त	=	मन
पोखर	=	छोटा तालाब	गंदा	=	मैला	गंदगी	=	मैल
स्रोत	=	उत्स	निर्मल	=	साफ, स्वच्छ	प्रसन्न	=	आनंद